दीनदयाल जी अपनी कक्षा में तो प्रथम आते ही थे कभी कभी उच्च कक्षा के सवालों को भी हल करने के लिए उन्हें बुलाया जाता था।

इस प्रश्न को अन्य विधियों से भी हल किया जा सकता है। एक विधि तो प्रचलित ही है। मैंने दूसरी विधि से भी प्रयास किया तो सवाल का हल निकल आया।

तुम्हारी प्रतिभा चमत्कारिक है और मन में बिल्कुल अहंकार नहीं है।

चुपचाप घर के सब कार्य भी किसी के कहने से पहले ही कर दिया करते थे। पुस्तकों के अभाव के बावजूद पुस्तकों की कोई मांग भी नहीं करते थे।

जब बनवारी सो जाए तो मैं रात में जागकर उसकी पुस्तक अध्ययन कर लूंगा। अभी पुस्तक मागूंगा तो नाहक कश्ट होगा।

इस बीच मामाजी का स्थानान्तरण सीकर हो गया। राजगढ़ के अध्यापकों को दीनदयाल जी के जाने का बहुत दुःख हुआ।

ऐसे विद्यार्थी के जाने से हमें बहुत दुःख हो रहा है। तुम दसवीं के बोर्ड में विद्यालय का नाम रौशन करते।

हुआ भी ऐसा ही। अजमेर बोर्ड की परीक्षा में सभी विशयों में विशेश अंक प्राप्त कर दीनदयाल जी प्रथम श्रेणी में सर्वप्रथम आए।